सं. 157 अप्रैल-जून 2018 ISSN 0972-2386

कडलमीन

सी एम एफ आर आइ समाचार

http://www.cmfri.org.in

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह द्वारा तमिल नाडु के रामनाथपुरम जिले के स्वयं सहायक ग्रुपों को सिल्वर पोम्पानो मछली की संततियों का वितरण करने का दृश्य

कृपया पृष्ठ सं. 3 देखें

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
पी. बी. सं 1603, एरणाकुलम नोर्त पी. ओ., कोचीन - 682 018, केरल, भारत

विषय सूची

माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह का दौरा	3
अनुसंधान मुख्य अंश	6
आगंतुक	9
प्रदर्शनियाँ	11
प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं	12
राजभाषा कार्यान्वयन	15
प्रकाशन	15
कृषि विज्ञान केन्द्र (एरणाकुलम) समाचार	16
मानव संसाधन विकास	17
कार्यक्रम में सहभागिता	17
कार्मिक समाचार	18

प्रकाशक

डॉ. ए. गोपालकृष्णन
निदेशक
भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
पोस्ट बॉक्स सं. 1603, एरणाकुलम नोर्त पी. ओ.
कोच्ची - 682 018, केरल, भारत
दूरभाषः 0484-2394867
फैक्सः 91-484-2394909
ई-मेलः director.cmfri@icar.gov.in
वेबसाइटः www.cmfri.org.in

संपादक

डॉ. यु. गंगा

संपादकीय समिति

डॉ. रेखा जे. नायर
डॉ. के. आर. श्रीनाथ
डॉ. एन. एस. जीना
श्रीमती ई. के. उमा
श्री अजु के. राजु

संपादन सहायता
श्री अरुण सुरेन्द्रन
श्री सी. वी. जयकुमार
श्री पी. आर. अभिलाष

निदेशक कहते हैं

हमारे प्रिय भूतपूर्व निदेशक डॉ. ई. जी. सैलास का दिनांक 27 अप्रैल 2018 को हुआ निधन मात्स्यिकी दुनिया, विशेषतः भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के लिए अपूरणीय क्षति है। वर्ष 1975-85 की अवधि के दौरान संस्थान के निदेशक के रूप में उनकी दूरदर्शी कार्रवाइयाँ और मार्गदर्शन हमेशा याद रखे जाएंगे। देश में मछुआरों और समुद्री मछली पालनकारों की आकांक्षाएं और प्रत्याशाएं बढ़ती जा रही हैं। स्वच्छ एवं टिकाऊ समुद्री मात्स्यिकी क्षेत्र में लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संस्थान वचनबद्ध है। हाल ही में समुद्री अपशिष्टों पर आयोजित सम्मेलन (CoMaD) के विचार-विमर्श सत्र में इस बात पर चर्चा की गयी थी कि प्लास्टिक के प्रदूषण को रोकना समुद्री पर्यावरण तथा इसके संसाधनों को संरक्षित करने का नाजुक घटक है और इस पर सभी हितधारकों को गंभीरता से सोचना चाहिए। प्रग्रहण मात्स्यिकी क्षेत्र के समुद्री मछली उत्पादन को समुद्री संवर्धन गतिविधियों द्वारा बढ़ाया जा सकता है। खुले सागर में पिंजरा मछली पालन पर एन एफ डी बी के वित्त पोषण से विभिन्न समुद्रवर्ती राज्यों में प्रशिक्षण प्रारंभ किए गए हैं, जो मात्स्यिकी क्षेत्र में प्रगति लाने में आशादायक हैं।

ए. गोपालकृष्णन
निदेशक

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के बारे में

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन कोच्ची में स्थापित केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान समुद्री मात्स्यिकी और समुद्री संवर्धन में अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए समर्पित सर्वप्रमुख अनुसंधान संस्थान है।

सी एम एफ आर आइ के तीन क्षेत्रीय केन्द्र जो कि मंडपम कैंप, विशाखपट्टणम और वेरावल तथा आठ अनुसंधान केन्द्र भारत की तट रेखा में कार्यरत हैं, जो देश के समुद्रवर्ती राज्यों को समुद्री मात्स्यिकी नीति का अनुपालन करने में सहायता प्रदान करते हैं।

माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री राधा मोहन सिंह का दौरा

समुद्री स्फुटनशाला समुच्चय में माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री राधा मोहन सिंह का दौरा

श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने दिनांक 1 जुलाई, 2018 को मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र का दौरा किया। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ और डॉ.ए.के.अब्दुल नाज़र, प्रभारी वैज्ञानिक, मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र ने माननीय मंत्री का स्वागत किया। केन्द्र के वैज्ञानिकों का संबोधन करते हुए उन्होंने किसानों की आय दोहराने के लिए एकीकृत पालन रीतियों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि सभी समुद्रवर्ती राज्यों के तटीय जिलों के स्वयं सहायक ग्रुपों को अलंकारी मछली पालन में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाना है। विचार-विमर्श बैठक में सुश्री रानी कुमुदिनी, आइ ए एस, चीफ एक्सिक्यूटिव, एन एफ डी बी, हैदराबाद, डॉ.पॉल पान्डियन, मात्स्यिकी विकास आयुक्त, डी ए डी एफ, नई दिल्ली, श्री एस.नटराजन, आइ ए एस, जिलाधीश, रामनाथपुरम जिला और डॉ.जी.एस.समीरन, आइ ए एस, मात्स्यिकी निदेशक, तमिल नाडु सरकार भी उपस्थित थे। माननीय केन्द्रीय मंत्री ने केन्द्र में स्थापित समुद्री पख मछली स्फुटनशाला समुच्चय, राष्ट्रीय समुद्री अंडशावक बैंक और समुद्री पिंजरा मछली पालन फार्म का भी दौरा किया। उन्होंने समुद्री पिंजरा मछली पालन में लगे हुए स्वयं सहायक ग्रुपों के मछुआरों के साथ आपसी विनिमय किया और एन एफ डी बी परियोजना के अंतर्गत पिंजरे में पालन करने हेतु सिल्वर पोम्पानो मछली के संततियों का वितरण किया।

पिंजरा मछली पालन स्थान में माननीय मंत्री का दौरा

भारत में समुद्री मात्स्यिकी और समुद्री संवर्धन विषय पर रामेश्वरम में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की अंतर-सत्र बैठक

श्री राधा मोहन सिंह की अध्यक्षता में रामेश्वरम में परामर्शदात्री समिति की बैठक

'भारत में समुद्री मात्स्यिकी और समुद्री संवर्धन' विषय पर कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की अंतर-सत्र बैठक माननीय केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह की अध्यक्षता में दिनांक 2 जुलाई, 2018 को रामेश्वरम में आयोजित की गयी। विशिष्ट व्यक्तियों का स्वागत करने के लिए डॉ.जे.के.जेना, उप महानिदेशक, भा कृ अनु प, डॉ.ए.गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, डॉ.इमेल्डा जोसफ, डॉ.बोबी इग्नेशियस, डॉ.शुभदीप घोष, डॉ.रितेश रंजन और डॉ.ए.के.अब्दुल नाज़र उपस्थित थे। परामर्श-दात्री समिति के सदस्य, डी ए डी एफ, भा कृ अनु प-डेयर, एन एफ डी बी, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, भा कृ अनु प-सी आइ बी ए, एम पी ई डी ए, एन आइ ओ टी, सी एस आइ आर-सी एस एम सी आर आइ, तमिल नाडु मात्स्यिकी विश्वविद्यालय और मात्स्यिकी विभाग, तमिल नाडु के कार्मिक भी बैठक में उपस्थित थे। समुद्री संवर्धन से जुडी हुई कार्यविधियों को दशाने के लिए भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ द्वारा प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी। बैठक के स्थान पर खाद्य मछलियों के जीवित डिंभकों, किशोरों और प्रौढ़ों और संस्थान के अनुसंधान प्रकाशनों का प्रदर्शन किया गया।

श्री राधा मोहन सिंह जी जीवित मछली प्रदर्शनी का निरीक्षण करते हुए

डॉ.ई.जी.सैलास का निधन

भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान के भूतपूर्व निदेशक और कुलपति, केरल कृषि विश्वविद्यालय डॉ.एरिक गोडविन सैलास का निधन 90 वर्ष की आयु में दिनांक 27 अप्रैल, 2018 को हुआ। वे केन्द्रीय खारा पानी जलजीव पालन संस्थान (सी आइ बी ए), चेन्नई के स्थापक निदेशक और पक्षी विज्ञान एवं प्राकृतिक इतिहास का सलिम अली केन्द्र (एस ए सी ओ एन) के स्थापक अध्यक्ष थे। अध्यक्ष, समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण केन्द्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान (अब सी आइ ए आर आइ), पोर्ट ब्लेयर के लिए विशेष ड्यूटी अधिकारी जैसे कई प्रमुख स्थानों में उन्होंने सेवा की है। समुद्री जीवित संसाधन एवं पारितंत्र का केन्द्र (सी एम ए आर ई), कोच्ची की वैज्ञानिक परामर्श समिति, राजीव गांधी जलजीव पालन केन्द्र (आर जी सी ए), सिरकाषी और केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (सी आइ एफ ई), मुम्बई की अनुसंधान परामर्श समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी सेवाएं महत्वपूर्ण हैं।

सिलोन (श्रीलंका) के देमोधरा में दिनांक 10 जनवरी 1928 को उनका जन्म हुआ। सेन्ट जोसफ इंग्लिश हाइ स्कूल, तिरुवनंतपुरम में प्राथमिक स्कूल शिक्षा के बाद उन्होंने अमेरिकन मिशन कॉलेज, मदुरै में मध्यमिक पाठ्यक्रम और मद्रास क्रिस्टियन कॉलेज, ताम्बरम, चेन्नई से स्नातक उपाधि प्राप्त की। उन्होंने स्वर्गीय डॉ. सुन्दर लाल होरा, निदेशक, भारतीय प्राणिविज्ञान सर्वेक्षण, कोल्कत्ता के मार्गदर्शन में अनुसंधान के द्वारा विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। इसके बाद मद्रास विश्वविद्यालय से उनको पीएच. डी उपाधि (1954) और डी.एससी भी प्राप्त हुईं। डॉ.ई.जी.सैलास जून 1975 से जून 1985 तक दस वर्ष की अवधि के दौरान भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के निदेशक के पद पर कार्यरत थे। उनके कार्यकाल में संस्थान में समुद्री प्रग्रहण मात्स्यिकी अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ समुद्री संवर्धन, विशेषतः मोलस्कों और समुद्री शैवालों में अनुसंधान भी प्रारंभ किया गया। इस तरह के दूरदर्शी कार्यविधियाँ संस्थान में समुद्री संवर्धन प्रौद्योगिकियों के विकास, जो देशक के मात्स्यिकी क्षेत्र में प्रासंगिक हुए, के लिए सहायक निकलीं।

कालिफोर्निया विश्वविद्यालय, यु एस ए में फुलब्राइट एवं रोकफेल्लर अध्येतावृत्ति के अंतर्गत पोस्ट-डॉक्टरल अध्ययन के दौरान स्क्रिप्स इन्स्टिट्यूट ऑफ ओशियनोग्राफी, यु एस ए के डॉ.कार्ल एल.हब्स और इन्टर-अमेरिकन ट्रोपिकल ट्यूना कमीशन, सान डिगो के डॉ. एम.बी.शीफर के सहयोग से उनमें महासागर विज्ञान तथा गहरा सागर मात्स्यिकी, विशेषतः ट्यूना और बिलफिश मात्स्यिकी, में अभिरुचि बढ़ गयी। वर्ष 1962 में उन्होंने मराइन बयोलजिकल असोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में स्कोम्ब्रोइड मछलियों पर अंतर्राष्ट्रीय परिचर्चा आयोजित की, जिससे भारत की ई ई इज़ेड की मूल्यवान मात्स्यिकी संसाधनों पर प्रकाश डाला गया और देश में ट्यूना मात्स्यिकी के विकास की ओर रास्ता खोला गया। अनुसंधान पोत *आर.वी.वरुणा* और *आर.वी.आन्टन ब्रन्न* पर 60 और 70 के वर्षों में किए गए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महासागर खोज कार्यक्रमों पर उनके अनुसंधान प्रकाशन आज भी अनुसंधानकारों के बीच अत्यंत मूल्यवान माने जाते हैं। उनके नेतृत्व में 80 के वर्षों में *एफ ओ आर वी सागर संपदा*, जो पहले महासागर विकास विभाग (डी ओ डी), भारत सरकार के स्वामित्व में था, द्वारा मात्स्यिकी और महासागर विज्ञान में बहु-विषयक अनुसंधान कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

शैक्षिक एवं अनुसंधान गतिविधियों में दूरदर्शी होते हुए उन्होंने अस्सी के प्रारंभिक वर्षों के दौरान भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ में सेन्टर फोर अड्वान्स्ड स्टडीस इन मैरिकल्चर की स्थापना की, जो देश के समुद्री मात्स्यिकी सेक्टर के लिए प्रोत्साहदायक था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पी एच.डी के लिए कार्यग्रहण किए गए कई छात्र अब मात्स्यिकी तथा समुद्री संवर्धन से जुड़े हुए अनुसंधान / विकास संगठनों और समुद्री खाद्य उद्योग के उन्नत पदों पर सेवारत हैं। डॉ.सैलास कई राष्ट्रीय स्तर की नीति निर्माण और शैक्षिक समितियों का प्रमुख भाग थे और उन्होंने अनेक अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वे पत्नी शारदा सैलास और बच्चे गीता, रमेश और अरुण के साथ रहते थे।

समुद्री मछली अवतरण आंकड़ा-2017 का विमोचन

भारत के समुद्री मछली अवतरण आंकड़ा-2017 का विमोचन दिनांक 26 जून 2018 को किया गया। भारत में वर्ष 2017 में आकलित समुद्री मछली उत्पादन का संकेत देने वाले आंकड़े के अनुसार मछली उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 5.6% की वृद्धि हुई है। भारत में वर्ष 2017 ने दौरान कुल समुद्री मछली अवतरण (आंडमान एवं निकोबार और लक्षद्वीप समूह को छोड़कर) 3.83 मिलियन टन आकलित किया गया। मछली अवतरण में लगातार पांच वर्षों से लेकर गुजरात 7.86 लाख टन (कुल अवतरण का 25%) के योगदान के साथ प्रथम स्थान पर और इसके बाद तमिल नाडु और केरल अगले स्थानों पर रहे। तमिल नाडु को छोड़कर सभी समुद्रवर्ती राज्यों में समुद्री मछली अवतरण में प्रगति हुई और पुदुचेरी तथा दामन एवं दियु के संघ राज्य क्षेत्रों में मछली अवतरण में कमी अंकित की गयी। गोवा (64%), पश्चिम बंगाल (33%) और महाराष्ट्र (30%) में समुद्री मछली अवतरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस बार देश के समुद्री मछली उत्पादन बढ़ाने में पश्चिम तट, विशेषतः केरल में तारलियों के उत्पादन में हुई वृद्धि प्रमुख कारण था। लेकिन पूर्व तट पर वर्ष 2016 की अपेक्षा तारलियों की पकड़ में घटती हुई, विशेषतः आंध्रा प्रदेश में 83% और तमिल नाडु में 36%। भारतीय बांगड़ा, फीतामीन, लेसर सारडीन, पेनिआइड झींगा और नोन-पेनिआइड झींगा अन्य प्रमुख संसाधन थे, जिनका अवतरण क्रमशः 2.88 लाख टन (7.5%), 2.39 लाख टन (6.2%), 2.27 लाख टन (5.9%), 2.1 लाख टन (5.5%) और 2.03 लाख टन (5.3%) था। वर्ष 2017 के अंत में हुए ओक्खी चक्रवात से केरल और तमिल नाडु के समुद्री मात्स्यिकी सेक्टर में भारी विनाश हुआ। केरल के मछली अवतरण में लगभग 35,000 टन की घटती और अवतरण केन्द्र के स्तर पर 585 करोड़ रुपए का आर्थिक नष्ट और खुदरा स्तर पर 821 करोड़ रुपए का नष्ट आकलित किया गया। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष चक्रवात के कारण मत्स्यन प्रयास में 57% की कमी आकलित की गयी। वर्ष 2017 के दौरान देश के अवतरण केन्द्रों के मूल्य के आधार पर समुद्री मछली का मूल्य वर्ष 2016 की तुलना में 8.5% की वृद्धि के साथ 52.431 करोड़ रुपए आकलित किया गया। अवतरण केन्द्र में प्रति किलोग्राम मछली का इकाई मूल्य 137 रुपए (वर्ष 2016 की तुलना में 5.6% की वृद्धि) आकलित किया गया। खुदरा स्तर पर समुद्री मछली का आकलित मूल्य 78,408 करोड़ रुपए (वर्ष 2016 की तुलना में 7% की वृद्धि) आकलित किया गया। खुदरा बाज़ार स्तर पर इकाई मूल्य 204 रुपए (वर्ष 2016 की तुलना में 4.2% की वृद्धि) आकलित किया गया। भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ का मात्स्यिकी संपदा निर्धारण प्रभाग (एफ आर ए डी) द्वारा देश के वार्षिक समुद्री मछली अवतरण का आकलन किया गया। डॉ.टी.वी.सत्यानंदन, अध्यक्ष, एफ आर ए डी ने आकलन प्रस्तुत किया। आंकड़ा विमोचन के लिए आयोजित प्रेस बैठक में डॉ.के.सुनिल मोहम्मद, डॉ.जी.महेश्वरुडु, डॉ.पी.यु.ज़क्करिया, डॉ.ई.एम.अब्दुसमद और डॉ.सी.रामचन्द्रन उपस्थित थे।

आर ए एस में एशियन समुद्री बास मछली का पालन परीक्षण

पुनःचक्रण जलजीव पालन व्यवस्था (आर ए एस) में एशियन समुद्री बास मछली के अनुकूलन पर पता लगाने हेतु इस व्यवस्था में इस मछली प्रजाति का प्रारंभिक पालन परीक्षण किया गया। इसमें करीब 80 ग्राम के आकार वाले सात सौ मछलियों का संभरण करके 220 दिनों तक पालन किया गया। इनमें से 0.52 कि.ग्रा. के औसत भार वाले कुल 103.5 कि.ग्रा. मछलियों का संग्रहण किया गया।

(कारवार अनुसंधान केन्द्र की रिपोर्ट)

समेकित बहु पौष्टिक जलजीव पालन पर खेत में परीक्षण

मुनैकाडु गाँव, मंडपम कैंप में सिल्वर पोम्पानो *ट्रकिनोटस ब्लोची* के 68.89±10.05 मि.मी. के औसत आकार और 6.41±2.61 ग्राम के औसत भार वाले 4000 उंगलिमीनों को बेड़ाओं में लगाए गए समुद्री शैवाल *कापाफाइकस अवरेज़ी* को समेकित करके समेकित बहु पौष्टिक जलजीव पालन का खेत पर परीक्षण किया गया। सिल्वर पोम्पानो मछली के पिंजरा पालन के साथ आइ एम टी ए का यह प्रयास पहली बार किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति बेड़ा में 80 कि. ग्रा. की दर पर 16 समुद्री शैवाल बेड़ों को लगाया गया है। मछुआरों द्वारा प्रतिदिन मछलियों को खिलाने, पिंजरे का अनुरक्षण और निगरानी का कार्य किया जा रहा है।

(मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र की रिपोर्ट)

आकार के अनुसार वर्गीकरण किए गए पोम्पानो के उंगलिमीन संभरण के लिए तैयार

डॉ.ए.के.अब्दुल नाज़र, प्रभारी वैज्ञानिक, मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र पालनकार को मछली संतति प्रदान करते हुए

पालन की गयी शुक्तियों का सफलतापूर्वक फसल संग्रहण

केरल के मूत्तकुन्नम नदीमुख क्षेत्र के महिला स्वयं सहायक ग्रुप ने मई-जून 2018 के दौरान पालन की गयी शुक्तियों का फसल संग्रहण किया। पालन की गयी शुक्तियाँ 86.7±25.7 मि.मी. के औसत आकार तक बढ़ गयीं और कुल 15 टन कवच सहित भार की शुक्तियों और 4.5 टन के शंबुओं का उत्पादन किया गया। प्रति किलोग्राम शुक्ति और शंबु मांस का पालन स्थान का मूल्य, क्रमशः 600 और 660 रुपए था। साफ और भाप की गयी शुक्तियों और शंबुओं को ए टी आइ सी, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के आउटलेट द्वारा बेच दिया गया।

पालन स्थान से एस एच जी द्वारा शुक्तियों का फसल संग्रहण

शुक्तियों के छिलका उतारने का दृश्य

तूत्तुकुडी में मछली मृत्यु दर

तूत्तुकुडी जिले के मुल्लकाड तट पर दिनांक 24 अप्रैल, 2018 को मछलियों की मृत्यु दर देखी गयी। सूनामी नगर में लगभग 1.5 कि.मी. की दूरी में ग्रूपर, तोता मछली, रेबिट मछली, सिल्वर बिड्डीस, लेथ्रिनिड्स, एकान्थूरिड्स, नेमिप्टीरिड्स, पफरफिशस जैसे तलमज्जी वर्ग की मरी हुई मछलियों और शीर्षपादों को देखा गया। मछुआरों के अनुसार इस स्थान पर कभी कभी इस तरह की मृत्यु दर देखी जाती है।

(टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र की रिपोर्ट)

गुजरात में टी एस पी का फील्ड दिवस

वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र में वर्ष 2011 से लेकर 'सिदी' आदिवासी समुदाय के लिए महाचिंगट पालन प्रदर्शन और समुद्री पिंजरों में इनके पालन पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण अब इन लोगों की आजीविका की गतिविधि बन गयी। देश में समुद्री पिंजरा मछली पालन की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है, इस संदर्भ में संस्थान के टी एस पी कार्यक्रम के अंतर्गत वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र और मुख्यालय से डॉ.मधु के. और डॉ.रमा मधु के टीम द्वारा दिनांक 21 मई, 2018 को फील्ड दिवस का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त दिनांक 22 मई, 2018 को आदिवासी हितधारक बैठक और महाचिंगट फसल संग्रहण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, यह वर्ष 2012 के बाद टी एस पी की श्रेणी में 6वां पिंजरा फसल संग्रहण है।

डॉ.के.मधु महाचिंगट फसल संग्रहण 'सिदी' आदिवासी समुदाय को प्रदान करते हुए

ए टी आइ सी द्वारा प्रौद्योगिकी परामर्श सेवा

वर्ष 2017-18 के दौरान छात्रों, मछुआरों, किसानों और उद्यमियों को मिलाकर कुल 14,130 हितधारकों को प्रौद्योगिकी परामर्श सेवाएं प्रदान की गयीं। दूरभाष और ई मेल संपर्क द्वारा लगभग 1610 हितधारकों को प्रौद्योगिकी परामर्श सेवाएं प्रदान की गयीं। उत्पादों की बिक्री, सेवाओं और आगंतुक शुल्क द्वारा 3.74 लाख रुपए के राजस्व का उत्पादन किया गया और 2,259 लोगों ने इन उत्पादों और प्रकाशनों का लाभ उठाया। ए टी आइ सी द्वारा प्रौद्योगिकी परामर्श सेवा (2017-18) प्राप्त किए गए हितधारकों की संख्या का विश्लेषण करने पर यह व्यक्त हुआ कि इस दशक की शुरुआत से सात गुनी वृद्धि हुई है।

(एन. अश्वती, प्रबंधक, कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र की रिपोर्ट)

हितधारकों की बैठक

विभिन्न समुद्रवर्ती राज्यों की प्रग्रहण मात्स्यिकी प्रबंधन परियोजनाओं के मुख्य निष्कर्षों पर चर्चा करने हेतु हितधारक परामर्श बैठकों का आयोजन किया गया। मुख्यालय, कोच्ची में 'केरल की टिकाऊ समुद्री मात्स्यिकी के लिए संपदा निर्धारण और प्रबंधन ढांचा' विषयक परियोजना के परिणामों को दिनांक 01 जून, 2018 को आयोजित बैठक में हितधारकों के प्रतिनिधियों के आगे प्रस्तुत किया गया। मछुआरा संघ, ट्रेड यूनियनों, समुद्री खाद्य निर्यात संघ, भारतीय वन्यजीव न्यास के प्रतिनिधियों और केरल के मात्स्यिकी विभाग के कार्मिकों को मिलाकर कुल 60 व्यक्तियों ने बैठक में भाग लिया। परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ.टी.एम.नजमुदीन ने अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष प्रस्तुत किए। डॉ.ई.एम.अब्दुसमद ने पिछले कई वर्षों के दौरान तारली मछली के अवतरण में हुई कमी का कारण व्यक्त किया। बैठक के दौरान मछुआरों ने अपनी राय प्रकट की कि केरल में लगाए गए मछलियों के न्यूनतम नियामक आकार (एम एल एस) का विनियमन समान रूप से देश के सभी समुद्रवर्ती राज्यों में लगाया जाना चाहिए। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ.के.सुनिल मोहम्मद, डॉ.टी.वी.सत्यानन्दन और डॉ.पी.यु.ज़क्करिया ने चर्चाओं का नेतृत्व किया। एस.महेश, उप निदेशक (मात्स्यिकी), केरल सरकार और मछुआरा प्रतिनिधियों के रूप में श्री चार्ल्स जोर्ज और श्री जोसफ सेवियर कलप्पुरक्कल ने भी चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कोचीन में आयोजित हितधारक बैठक

वेरावल में वार्षिक हितधारक परामर्श बैठक दिनांक 29 मई, 2018 को आयोजित की गयी, जिसमें गुजरात समुद्री मात्स्यिकी नीति संक्षिप्त पर चर्चा की गयी। ई आइ ए और एम पी ई डी ए के वैज्ञानिकों और प्रतिनिधियों ने गुजरात में समुद्री मात्स्यिकी की मूल्य श्रृंखला में प्रगति लाए जाने के उपायों पर चर्चा की।

कारवार अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 31 मई, 2018 को आयोजित समान प्रकार की बैठक में केन्द्र के सभी वैज्ञानिकों और तकनीकी कार्मिकों ने भाग लिया। इस दौरान कारवार और अंकोला के हितधारकों के सक्रिय सहभागिता के साथ केन्द्र की प्रमुख अनुसंधान गतिविधियों और उत्तरकन्नड़ जिला में समुद्री संवर्धन के विकास की आवश्यकता पर चर्चा की गयी। विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा दिनांक 18 और 19 मई, 2018 को क्रमशः निज़ामपट्टणम और मचिलिपट्टणम में हितधारकों की बैठकों का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित यंत्रीकृत सेक्टर के मछुआरों ने आंध्रा प्रदेश नीति मार्गदर्शन दस्तावेज में उल्लिखित प्रमुख सिफारिशों पर अवगाह दिया और राज्य के समुद्री मछली प्रजातियों के सेक्टर में न्यूनतम नियामक आकार लागू करने की सिफारिश की। इसके अतिरिक्त मछुआरों की समस्याओं जैसे आनायकों में उपयोग किए जाने वाले उच्च शक्ति की इंजनों, पोतों के लिए आवश्यक बर्थिंग जगह का अभाव, सहायिकी राशि मिलने की देरी और मच्चिलिपट्टणम में बर्फ निर्माण इकाइयों का अभाव आदि पर भी प्रकाश डाला गया।

वेरावल में हितधारकों की बैठक

आंध्रा प्रदेश के निज़ामपटणम में आयोजित हितधारकों की बैठक में उपस्थित मछुआरे

माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा राज ने दिनांक 29 जुलाई, 2018 को संस्थान मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ आपसी चर्चा भी आयोजित की गयी।

मुख्यालय में आयोजित आपसी चर्चा बैठक

श्री दीपक केसरकर, वित्त, योजना एवं गृह (ग्रामीण) मंत्री, महाराष्ट्र ने दिनांक 03 मई, 2018 को भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मुख्यालय का दौरा किया और महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग के पश्चजल क्षेत्रों में 500 मछली पालन पिंजरों की स्थापना के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों की शक्यता पर चर्चा की। मंत्री के साथ श्री एन.वासुदेवन, अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, महाराष्ट्र भी थे। इस दौरान आयोजित बैठक में डॉ.इमेल्डा जोसफ, अध्यक्ष, समुद्री संवर्धन प्रभाग, डॉ.टी.वी.सत्यानंदन, अध्यक्ष, मात्स्यिकी संपदा निर्धारण प्रभाग, डॉ.के.के.जोषी, अध्यक्ष, समुद्री जैवविविधता प्रभाग, डॉ.पी.यु.ज़क्करिया, अध्यक्ष, तलमज्जी मात्स्यिकी प्रभाग, डॉ.ए.पी.दिनेशबाबु और डॉ.सी.रामचन्द्रन, प्रधान वैज्ञानिकों ने भाग लिया। सुश्री लीना बनसोद, संयुक्त प्रबंध निदेशक, महाराष्ट्र लघु उद्योग निगम ने कोचीन के पिषला के पिंजरा मछली पालन स्थानों का दौरा किया और मछुआरों के साथ आपसी चर्चा की। इसके बाद उनकी टीम ने विषिंजम अनुसंधान केन्द्र का दौरा किया और वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की।

पिंजरा मछली पालन स्थान का निरीक्षण

विषिंजम अनुसंधान केन्द्र में महाराष्ट्र के आगंतुक

- डॉ.त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा कृ अनु प, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 7 अप्रैल 2018 को वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र का दौरा किया। डॉ.दिवु डी., प्रभारी वैज्ञानिक ने केन्द्र की अनुसंधान गतिविधियों पर विस्तृत रूप से प्रस्तुतीकरण किया। इस दौरान आमंत्रित हितधारकों, प्रत्याशी पिंजरा मछली पालनकारों, समुद्री खाद्य निर्यातकों, नाव मालिक संघों के प्रतिनिधियों, मछुआरों और संस्थान के टी एस पी कार्यक्रम के अंतर्गत पिंजरा मछली पालन कार्य में लगे हुए सिदी आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधियों एवं मछुआरों की बैठक भी आयोजित की गयी।

डॉ.टी.महापात्र, महानिदेशक, भा कृ अनुप का वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र में स्वागत

- डॉ.जे.के.जेना, उप महानिदेशक (मात्स्यिकी), भा कृ अनु प ने दिनांक 2 जुलाई, 2018 को मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र का दौरा किया।
- डॉ.बी.मीनाकुमारी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय जैवविविधता निगम, चेन्नई ने दिनांक 19 जून, 2018 को टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र का दौरा किया।

डॉ.जे.के.जेना, उप महानिदेशक, भा कृ अनु प का मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में निरीक्षण

गुजरात में एम बी ए आइ की नयी शाखा

डॉ.सी.एन.रविशंकर, निदेशक, भा कृ अनु प-सी आइ एफ टी गुजरात में एम बी ए आइ की नयी शाखा के सदस्यों के साथ

डॉ.सी.एन.रविशंकर, निदेशक, भा कृ अनु प-सी आइ एफ टी मुख्य अतिथि के रूप में दिनांक 6 अप्रैल, 2018 को आयोजित कार्यक्रम में मराइन बयोलजिकल असोसिएशन ऑफ इंडिया (एम बी ए आइ) की वेरावल शाखा का प्रारंभ किया गया। मात्स्यिकी कॉलेज, जुनगढ़ कृषि विश्वविद्यालय, वेरावल में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 61 व्यक्तियों ने भाग लिया। बैठक में नए पदाधिकारियों का चयन किया गया।

(वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र की रिपोर्ट)

स्वच्छ भारत अभियान की कार्यविधियाँ

कारवार अनुसंधान केन्द्र में 21 जून, 2018 को स्वच्छ भारत अभियान कार्यशाला आयोजित की गयी और इस दौरान पर्यावरण के मामलों पर डोक्युमेन्टरी और लघु फिल्म दर्शायी गयी और स्वच्छता की प्रधानता पर जानकारी प्रदान की गयी। सभी कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी क्षेत्रीय/अनुसंधान केन्द्रों में सभी कार्मिकों की सक्रिय सहभागिता से आवधिक रूप से स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र में कार्यालय परिसर की सफाई

मुख्यालय और क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दौरान क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों में आयोजित कार्यक्रमों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान में दिनांक 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। मुख्यालय में मनोरंजन क्लब द्वारा श्रीमती के.रश्मी, योग अध्यापिका, पतंजली योग प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र, एरणाकुलम ने भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, भा कृ अनु प-सी आइ एफ आर आइ और भा कृ अनु प-एन बी एफ जी आर के कर्मचारियों के लिए योग कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया। योग अभ्यास के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गयी। कई कर्मचारियों ने योग अभ्यास में भाग लिया। डॉ.वी.कृपा, अध्यक्ष, मनोरंजन क्लब और डॉ.विपिनकुमार वी.पी., सचिव ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

मुख्यालय और अनुसंधान केन्द्रों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के चित्र

प्रदर्शनियाँ

समुद्री अपशिष्टों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (CoMaD 2018) के दौरान दिनांक 11 और 12 अप्रैल 2018 को ए टी आइ सी के समन्वयन से प्रदर्शनी आयोजित की गयी। डीग्रेडबिल और नोन-डीग्रेडबिल अपशिष्टों के पुनःचक्रण तथा अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े हुए विभिन्न राज्यों के विविध सरकारी संगठनों, गैर सारकारी संगठनों, उद्यमियों और अन्य व्यापार इकाइयों ने प्रदर्शनी में भाग लिया।

खुला सागर पिंजरा मछली पालन और समुद्री संवर्धन में प्रशिक्षण

मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन एफ डी बी) के कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांकक 19 से 21 जून, 2018 के दौरान 'खुला सागर पिंजरा मछली पालन और समुद्री संवर्धन' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ.एम.शक्तिवेल और डॉ.बी.जोण्सन द्वारा समन्वयन किए गए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम और मुत्तुपेट्टै क्षेत्रों से 50 मछुआरों ने भाग लिया। इसी तरह कारवार अनुसंधान केन्द्र में 24 से 26 मई, 2018 के दौरान और टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र में 27 से 29 जून, 2018 के दौरान प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिनमें चुने गए 50 स्थानीय मछुआरों ने भाग लिया। कारवार अनुसंधान केन्द्र में 28 से 30 मई, 2018 के दौरान 'समुद्री पिंजरा मछली पालन और संबंधित कार्यविधियाँ' विषय पर उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र में 14 से 16 और 24-26 मई, 2018 के दौरान समान प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिनमें आंध्रा प्रदेश के कृष्णा और पूर्व गोदावरी जिलों के मछुआरों, जलजीव पालनकारों और बेरोज़गार युवा लोगों को मिलाकर कुल 50 प्रतिभागी उपस्थित थे। सभी प्रशिक्षणार्थियों को पिंजरा निर्माण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया और उनको मछली पालन से जुड़े हुए व्यवहारों (खिलाना, पिंजरा का ढ़ांचा और जाल की सफाई और जाल परिवर्तन) पर भी प्रशिक्षित किया गया। डॉ.शेखर मेघराजन ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन किया।

डॉ. राधा मोहन सिंह मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में आयोजित बैठक में सभा का संबोधन करते हुए

विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र में आयोजित प्रथम प्रशिक्षण के सहभागी गण

टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र में आयोजित प्रथम प्रशिक्षण के सहभागी गण

टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र

मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में प्रमाण पत्रों का वितरण

कारवार अनुसंधान केन्द्र में प्रशिक्षण के प्रमाण पत्रों का वितरण

संयुक्त मात्स्यिकी निदेशक, राज्य मात्स्यिकी, तूत्तुकुड़ी जिला प्रशिक्षण प्रमाण पत्रों का वितरण करते हुए

- रामनाथपुरम जिले के आरियम्मन समुद्र तट पर आम लोगों और पर्यटकों की जानकारी के लिए दिनांक 22 मई, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस पर जेलीफिश डंक के प्रबंधन पर अवगाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रोफसर ए.के.कुमारगुरु, भूतपूर्व कुलपति, मनोनमणियन सुन्दरनार विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान अनेक पर्यटकों और समुद्री पुलीस कार्मिकों को जेलीफिश डंक होने पर किए जाने वाले प्राथमिक चिकित्सा उपायों पर प्रशिक्षित किया गया।

  (डॉ.आर.शरवणन, आइ.सेयद सादिख और ए.के.अब्दुल नाज़र, मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र की

जेलीफिश डंक पर जानकारी कार्यक्रम

- विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र में समुद्री शैवाल संपदाएं और इनके पालन पर दिनांक 21-22 जून, 2018 के दौरान बुद्धिशीलता सत्र का आयोजन किया गया। डॉ.पी.कलाधरन, प्रधान वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, जिनका समुद्री शैवाल के अनुसंधान में 25 वर्षों से अधिक अनुभव है, ने कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ.सी.आर.के.रेड्डी, भूतपूर्व प्रधान वैज्ञानिक सी एस एम सी आर आइ एवं डी बी टी एनर्जी बयोसयन्स चेयर, भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान ने समुद्री शैवालों से निचोड़े जाने वाले विविध यौगिकों और इनके उपयोगों पर भाषण दिया। डॉ.बी.जोण्सन, वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ ने समुद्री शैवाल पैदावार से जुड़ी हुई समाज-आर्थिक समस्याओं पर भाषण दिया। डॉ.जेस्मी देब्बर्मा, वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी आइ एफ टी, विशाखपट्टणम ने उप-उत्पादों और मूल्य वर्धन प्रक्रिया पर स्पष्ट किया। डॉ.(प्रोफसर) पी.यदुकोन्डाला राव, अध्यक्ष, समुद्री जीव संपदा विभाग, आंध्रा विश्वविद्यालय और डॉ.शेखर मेघराजन, वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ ने आंध्रा प्रदेश के तटीय समुद्र में पाई जाने वाली समुद्री शैवाल संपदाओं पर संक्षिप्त विवरण दिया। समुद्री शैवाल पैदावार के उद्यमी श्री संतोष और श्री रघुशेखर ने समुद्री शैवाल के पैदावार में अपने अनुभवों का विवरण दिया। श्री पी.कोटेश्वर राव, अतिरिक्त मात्स्यिकी निदेशक और श्री लक्ष्मण राव, सहायक मात्स्यिकी निदेशक, आंध्रा प्रदेश राज्य मात्स्यिकी विभाग ने भी इस विषय पर अपने मंतव्य प्रकट किए। समापन सत्र में राज्य में समुद्री शैवाल का पैदावार और इसके विस्तार के उद्देश्य से राज्य मात्स्यिकी विभाग द्वारा कार्यान्वयन हेतु सुझावों के साथ रोडमानचित्र तैयार किया गया।

  (डॉ.शुभदीप घोष, प्रभारी वैज्ञानिक, विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र की रिपोर्ट)

ई-विपणन के लिए मछली प्रसंस्करण और पैकिंग पर प्रशिक्षण

मल्टीवेन्डर ई-कोमेर्स वेबसाइट एंड ऐप फोर फिशेर्स / फामेर्स के एन आइ सी आर ए फेस II परियोजना के अंतर्गत सी एम एफ आर आइ-कृषि विज्ञान केन्द्र, नारक्कल में दिनांक 17 अप्रैल, 2018 को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ई-विपणन में और भी सुधार लाए जाने के सुझाव, मछली प्रसंस्करण, कटाई एवं पैकिंग और मछली अपशिष्टों के प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उभरे हुए मुख्य बातों में बिक्रेता ब्रांडिंग, लीगल मेट्रोलजी विभाग, केरल सरकार माप-तोल पर लगाई गयी आवश्यकताओं के साथ एफ एस एस ए आइ पंजीकरण का अनुपालन और पैकिंग तथा पैक किए जाने वाले मछली उत्पादों की डिज़ाइन आदि सम्मिलित थी।

सी आइ टी ई एस-एन डी एफ कार्यशाला

तलमज्जी मात्स्यिकी प्रभाग द्वारा श्रीलंका के कोलम्बो स्थित ब्लू रिसोर्सस ट्रस्ट नामक समुद्री अनुसंधान परामर्श के सहयोग से भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची में दिनांक 16-20 अप्रैल, 2018 के दौरान 'सी आइ टी ई एस-एन डी एफ कार्यशाला-थ्रेशर एवं सिल्की शार्क' आयोजित की गयी। उपास्थिमीन निर्धारण एवं प्रबंधन परियोजना में कार्यरत 15 वैज्ञानिकों और ब्लू रिसोर्स ट्रस्ट, श्रीलंका तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ द्वारा सुरा मछलियों के लिए प्रासंगिक विद्यमान कानून / प्रबंधन और भारत में उपास्थिमीन अनुसंधान पर अद्यतन अवलोकन पर प्रस्तुतीकरण भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर सी आइ टी ई एस के डॉ.सारा फॉलर और ब्लू रिसोर्सस ट्रस्ट के श्री डानिएल फेर्नान्डो ने सुराओं पर गैर-हानिकारक निष्कर्षों की तैयारी के लिए आवश्यक विस्तृत कार्यप्रणाली प्रस्तुत की, जिसके उपरांत समूह-चर्चा और गैर-हानिकारक निष्कर्ष के दस्तावेज की तैयारी के लिए अभ्यास भी आयोजित किए गए।

डॉ.ए.गोपालकृष्णन, निदेशक के साथ सी आइ टी ई एस-एन डी एफ कार्यशाला के सहभागी

एम एस सी कार्यशाला

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, मराइन स्टुआर्डशिप काउन्सिल (एम एस सी) और विश्व वन्य जीव-भारत (डब्लियु डब्लियु एफ) के संयुक्त सहयोग से भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ में दिनांक 5 अप्रैल, 2018 को 'भारतीय मात्स्यिकी टिकाऊपन की ओर' विषय पर हितधारक कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला के दौरान विदेशी बाज़ार में अधिक मूल्य होने वाली भारत की 10 लक्षित संपदाओं को मराइन एम एस सी, लंदन के इको-लेबलिंग प्रमाणीकरण प्राप्त करने के लिए प्राथमिकता दी गयी। डॉ.ए.गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ कार्यशाला बैठक में अध्यक्ष रहे। डॉ.येमी ओलोरुन्टूयी, अध्यक्ष, एम एस सी के विकासशील विश्व कार्यक्रम कार्यशाला में मुख्य अतिथि थे। इस दौरान डॉ.के.सुनिल मोहम्मद अध्यक्ष और डॉ.रंजित सुशीलन, एम एस सी संयोजक होते हुए भारत की टिकाऊ समुद्री खाद्य नेटवर्क का गठन किया गया।

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ में आयोजित एम एस सी कार्यशाला की चर्चा

समुद्री अपशिष्टों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित मामलों पर चर्चा

समुद्री अपशिष्ट, जो समुद्री आवास तंत्र के कार्य प्रणाली और संसाधनों के टिकाऊपन पर प्रभावित होता है, का निवारण, निपटान और प्रबंधन विश्व में ही मुख्य समस्या बन गयी है। विश्व में इसी समस्या पर चर्चा करने हेतु पहले ही 6 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है। भारत में समुद्री अपशिष्टों के प्रभावों और परिणामों पर अवगाह जगाने के उद्देश्य से भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची में दिनांक 11-12 अप्रैल, 2018 को मराइन बयोलजिकल असोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा समुद्री अपशिष्ट पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। डॉ.वासुदेवन त्यागराजन, डीन, त्यागराजर कॉलेज ऑफ इंजिनीयरिंग, मदुरै ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन में 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और अपशिष्ट प्रबंधन पर लगभग 50 से अधिक अनुसंधान लेखों और 52 सफलता कहानियों को प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता में 302 फोटो और 52 सफलता कहानियाँ प्रस्तुत की गयी। प्रस्तुत किए गए अनुसंधान लेखों और सफलता की कहानियों, प्रस्तुतीकरणों और आपसी चर्चाओं के आधार पर भारत में समुद्री अपशिष्टों की समस्याओं के प्रभावकारी प्रबंधन पर कई सिफारिश उभरकर आईं। समापन सत्र में डॉ.के.सुनिल मोहम्मद, डॉ.एम.भूपेन्द्रनाथ, डॉ.के.वी.जयचन्द्रन और डॉ.वी.कृपा ने चर्चाओं का नेतृत्व किया। सम्मेलन में, भारत में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अनुसंधान संस्थानों, स्थानीय निकायों, गैर सरकारी संगठनों और पारिस्थितिक कार्यकर्ताओं के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

सम्मेलन का उद्घाटन

राजभाषा कार्यान्वयन

➢ मुख्यालय और क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों में 'कार्यालय में राजभाषा का प्रयोग' विषय पर हिन्दी कार्यशालाएं आयोजित की गयीं। मुख्यालय, कोच्ची में दिनांक 20 जून, 2018 को आयोजित कार्यशाला में कुल 61 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

- कारवार अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 30 जून, 2018 को आयोजित कार्यशाला में कुल 20 कार्मिकों ने भाग लिया।
- मद्रास अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 21 अप्रैल, 2018 को हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गयी।
- भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के विभिन्न क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों में राजभाषा कार्यान्वयन पर निरीक्षण आयोजित किए गए।
- श्री टेकचंद, उपनिदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, बंगलूरु, राजभाषा विभाग ने दिनांक 14 जून, 2018 को कारवार अनुसंधान केन्द्र का निरीक्षण किया।

हिन्दी कार्यशाला का दृश्य

- डॉ.पी.प्रवीण, सहायक महानिदेशक (समुद्री मात्स्यिकी), भा कृ अनु प, नई दिल्ली ने दिनांक 8 जून, 2018 को वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र का निरीक्षण किया।
- डॉ.ए.गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ ने दिनांक 30 जून, 2018 को मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र और डॉ.इमेल्डा जोसफ, प्रधान वैज्ञानिक ने दिनांक 28 मई, 2018 को कारवार अनुसंधान केन्द्र की राजभाषा गतिविधियों का निरीक्षण किया।

प्रकाशन

के.के.जोषी, के.एस.शोभना, मोली वर्गीस, मिरियम पोल श्रीराम, के.आर.श्रीनाथ, पी.एम.गीता, के.एम.श्रीकुमार, अजु के.राजु, एम.एस.वर्षा, एम.सेतुलक्ष्मी, के.ए.दिव्या, पी.ए.तोबियास, के.बी.षीबा और ए.गोपालकृष्णन (2018) सी एम एफ आर आइ विशेष प्रकाशन सं.129. काटालॉग-2018 समुद्री जैवविविधता संग्रहालय

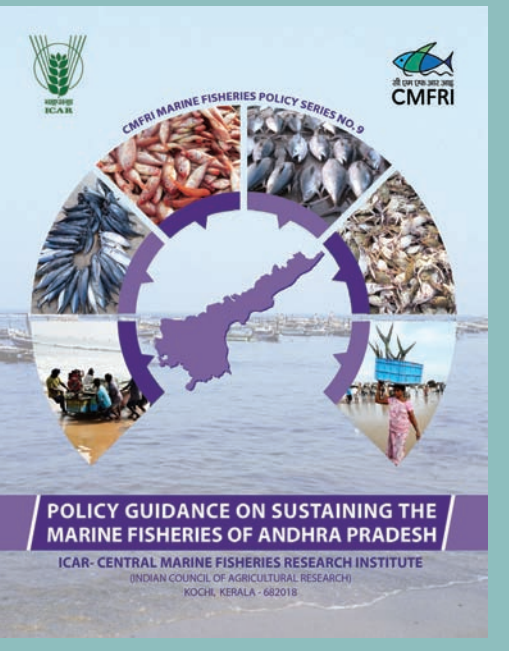

मुक्ता मेनोन, शुभदीप घोष, के.जी.मिनी इंदिरा दिविपाला, प्रलय रंजन बेहरा, लवसन एड्वेर्ड, जास्मिन एफ और एस.एस.राजु, सी एम एफ आर आइ समुद्री मात्स्यिकी नीति श्रेणी सं.9 आंध्र प्रदेश की समुद्री मात्स्यिकी के टिकाऊपन पर नीति मार्गदर्शन

कृ वि कें द्वारा मछुआरों को प्रौद्योगिकी तथा विपणन सहायता

पिंजरे में पालन की गयी समुद्रीबास मछलियों का फसल संग्रहण

कृषि विज्ञान केन्द्र ने एरणाकुलम के माट्टुपुरम में पिंजरा मछली पालन करने वाले मछुआरों को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में और विपणन में सहायता प्रदान की। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेन्सी (ए टी एम ए), एरणाकुलम के प्रदर्शन कार्यक्रम के रूप में मछली पालन किया गया। कृ वि कें द्वारा मछुआरा संघों को प्रशिक्षण दिया गया और कृ वि कें के अक्वा दल द्वारा पिंजरे सजाए गए। फार्म गेट विपणन सुविधा के द्वारा विपणन भी आसान कराया गया। फार्म गेट बाज़ार का उद्घाटन माट्टुपुरम में दिनांक 17 जून, 2018 को श्री जी.डी.राजू, करुमालूर ग्राम पंचायत के अध्यक्ष द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ए टी एम ए परियोजना निदेशक सुश्री उषा देवी, सहायक निदेशक ई.एम.बबिता, कृ वि कें विषय विशेषज्ञ डॉ.पी.ए.विकास और अन्य कार्मिक तथा जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर 2 लाख रुपए के मूल्य की मछलियों का विपणन किया गया, जिससे परंपरागत तरीके से मध्यवर्तियों को मछली विपणन की अपेक्षा मछुआरों की आय में 35 पतिशत की वृद्धि आकलित की गयी।

किसान उत्पादक कंपनी के हिस्सेदारों की बैठक एवं संगोष्ठी

कृषि विज्ञान केन्द्र ने पेरियार वैली स्पाइसस किसान उत्पादक कंपनी लिमिटड के हिस्सेदारों की बैठक कोतमंगलम में दिनांक 14 जून 2018 को आयोजित की। इस अवसर पर 'जायफल की वैज्ञानिक खेती एवं विपणन' पर संगोष्ठी भी आयोजित की गयी, जिसमें लगभग नब्बे किसानों ने भाग लिया। श्री षोजी जाय एडिसन, विषय विशेषज्ञ (बागवानी) ने तकनीकी सत्र का संचालन किया। श्री जोस मैत्यु कोच्चुकुडी, जायफल खेती में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता ने अपने अनुभवों को कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को बांटा। श्री पुष्पराज एन्जलो और डॉ.विकास पी.ए., एफ पी ओ परियोजना के सह-प्रधान अन्वेषकों ने 'जायफल उद्यम में व्यापार का गठन और विपणन तंत्र' विषय पर सत्रों का संचालन किया।

किसानों के साथ माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विचार-विमर्श का सीधा प्रसारण

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी किसानों के साथ दिनांक 20 जून 2018 को किए गए विचार-विमर्श का सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में एरणाकुलम जिले के लगभग 150 किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों और किसानों के बीच आपसी चर्चा भी आयोजित की गयी। इस दौरान किसानों को सब्जियों के बीज और जैव उर्वरक प्रदान किए गए।

मानव संसाधन विकास

नाम	तारीख एवं स्थान	कार्यक्रम
वैज्ञानिक		
श्री ताराचंद कुमावत	01.05.2018 से 22.06.2018 आइ आइ आर एस, दहरादून	दूर संवेदन (आर एस) एवं भौगोलिक सूचना व्यवस्था (जी आइ एस) तटीय और महासागर विज्ञान
डॉ. एल. रंजित	18-22 जून, 2018, ओ टी जी ए आइ एन सी ओ आइ एस, हैदराबाद	कार्यात्मक महासागरीय आंकड़ा उत्पादों तथा सेवाओं की खोज और उपयोग
सुश्री सूर्या एस., श्री अम्बरीश पी.गोप, सुश्री पी. गोमती, सुश्री शिल्टा एम.टी. सुश्री रम्या अभिजित श्री कुरुवा रघु रमदु	2-6 अप्रैल, 2018 समुद्री जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग (एम बी टी डी) भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	मछली स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए अप्लाइड माइक्रोबयोलजिकल तकनीक
डॉ. दिनेशबाबु ए. पी.	12-15 जून, 2018 भारतीय दूर संवेदन संस्थान (आइ आइ आर एस), दहरादून	दूर संवेदन- निर्णयकर्ताओं का अवलोकन
तकनीकी कार्मिक		
श्रीमती प्रिया के.एम.	6-8 जून 2018, भा कृ अनु प- सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	एफ एम एस/पी एफएम एस-एच आर प्रशिक्षण
श्रीमती रीना वी.जोसफ	22 जून 2018 से 19 जुलाई, 2018, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	अभिमुखीकरण प्रशिक्षण
श्री के.राम स्वामी	19 जुलाई, 2018, सी आइ ए ई, भोपाल	ऑटोमोबाइल अनुरक्षण, रोड़ सुरक्षा और व्यवहार कौशल
प्रशासनिक कार्मिक		
श्री देवसी पी.वी.	20-25 अप्रैल 2018, भा कृ अनु प- एन ए ए आर एम, हैदराबाद	आतिथ्य प्रबंधन
श्री रोषिन पुष्पन	14.05.2018 से 08.06.2018 आइ एस टी एम	नए नियुक्त सहायकों का प्रशिक्षण
श्रीमती पी.के.अनिता और श्रीमती के. स्मिता	21-26 जून 2018, एन ए ए आर एम, हैदराबाद	क्षमता एवं व्यवहार कौशल वर्धन
श्री एम.शरवणन और श्रीमती एम.वलर्मती	6-8 जून 2018, भा कृ अनु प - सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	एफ एम एस/पी एफ एम एस-एच आर पर प्रशिक्षण
स्किल्ड सपोर्ट स्टाफ		
सुश्री एम.अफ्रिन रानी	6-8 जून 2018, भा कृ अनु प - सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	एफ एम एस/पी एफ एम एस-एच आर पर प्रशिक्षण

कार्यक्रम में सहभागिता

- **डॉ.ए.गोपालकृष्णन**, निदेशक ने महा निदेशक, भा कृ अनु प द्वारा नामांकन के अनुसार ए एस सी आइ, हैदराबाद द्वारा 9 से 13 अप्रैल 2018 के दौरान 'प्रभावी संगठनात्मक नेतृत्व' विषय पर आयोजित वरिष्ठ कार्यकारी विकास कार्यक्रम और आस्ट्रेलिया, न्यूज़िलान्ड और सिंगपोर में दिनांक 19 से 29 मई 2018 के दौरान आयोजित कंपोनेन्ट कार्यक्रम में भाग लिया।

  भा कृ अनु प और डी ए डी एफ के अंदर आने वाले सभी मात्स्यिकी संस्थानों में अन्य कार्यविधियों के साथ मात्स्यिकी सेक्टर में कुशलता लाए जाने की कार्ययोजना बनाने के संबंध में चर्चा करने हेतु एन एफ डी बी, हैदराबाद में दिनांक 2 मई, 2018 को आयोजित बुद्धिशीलता सत्र में भाग लिया।

  एन एफ डी बी, हैदराबाद में समुद्री संवर्धन नीति बनाने के संबंध में मुख्य कार्यकारी, एन एफ डी बी की अध्यक्षता में दिनांक 15 मई 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।

  सी आइ एफ ई, मुम्बई में टिकाऊ नीली अर्थव्यवस्था के लिए मात्स्यिकी शिक्षा विषय पर दिनांक 16 मई, 2018 को आयोजित 3वां अंतर्राष्ट्रीय परिचर्चा में भाग लिया।

  माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में दिनांक 17 मई 2018 को आयोजित तटीय राज्यों / संघ राज्य क्षत्रों के मात्स्यिकी मंत्रियों की राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

  एन बी एफ जी आर, लखनऊ में 12 और 13 जून 2018 को आयोजित डी बी टी कार्य दल की बैठक में भाग लिया।

  परिषद के मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थानों में मत्स्यन पोत के कार्मिकों के भर्ती नियमों के परिशोधन / रूपायन से संबंधित मामलों पर चर्चा करने हेतु विशेष सचिव, डेयर एवं सचिव, भा कृ अनु प की अध्यक्षता में नई दिल्ली में दिनांक 19 जून 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।

  विषिंजम अनुसंधान केन्द्र के अनुसंधान एवं अन्य गतिविधियों का निरीक्षण करने के उद्देश्य से दिनांक 23 जून 2018 को केन्द्र का दौरा किया।

- **डॉ.के.एस.मोहम्मद** ने भारतीय ई ई इज़ेड से शक्य प्राप्ति को पुनर्वैध करने के लिए डी ए डी एफ द्वारा गठित समिति की दूसरी बैठक के संदर्भ में दिनांक 13 मई 2018 को भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ में आयोजित एफ एस आइ और सी एम एल आर ई के कार्मिकों सहित सी एम एफ आर आइ उपसमिति की बैठक में भाग लिया।

  शंबु पालन क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए जन प्रतिनिधियों, वैज्ञानिकों, कार्मिकों और किसान प्रतिनिधियों के साथ कासरगोड के चेरुवत्तूर ग्राम पंचायत सम्मेलन कक्ष में दिनांक 29 जून, 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।

- **डा. के. एस. मोहम्मद** और **डॉ. टी. वी. सत्यानंदन** ने इन्स्टिट्यूटो डे फोमेन्टो पेस्क्एरो (आइ एफ ओ पी), वल्पारैसो, चिली में दिनांक 22 -15 मई 2018 को आयोजित इन्डो-आस्ट्रेलिया सहकारी परियोजना 'पारिस्थितिकी तंत्र निर्धारण के लिए लेनफेस्ट बेंचमार्क्स' की प्रथम बैठक में भाग लिया।

- **डॉ.के.एस.मोहम्मद** और **डॉ.जी.महेश्वरुडु** ने तूत्तुकुडी में दिनांक 3 मई, 2018 को आयोजित फ्लवर चिंगट मात्स्यिकी सुधार परियोजना की प्रथम हितधारक संवाद बैठक में भाग लिया।

- **डॉ.पी.लक्ष्मीलता,** प्रभारी वैज्ञानिक, मद्रास अनुसंधान केन्द्र ने पुदुचेरी मात्स्यिकी निदेशालय में दिनांक 26 अप्रैल 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।

एफ एम एस यु एल-II परियोजना के अंतर्गत पुतुचेरी समुद्र में शंबु/ शुक्ति पालन के प्रस्ताव पर चर्चा और अंतिम रूप देने के लिए श्री पी.पार्थिबन, आइ ए एस, सचिव (मात्स्यिकी), तमिल नाडु सरकार के साथ दिनांक 31 मई, 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।

- **डॉ.पी.लक्ष्मीलता, डॉ.आर.नारायणकुमार** और **श्री एन.रुद्रमूर्ति** ने द्विकपाटी पालन गतिविधियों पर मात्स्यिकी निदेशालय, चेन्नई में दिनांक 17 मई 2018 को आयोजित पुनरीक्षण बैठक में भाग लिया।
- **डॉ.पी.लक्ष्मीलता** और **डॉ. आर. नारायणकुमार** ने एन एफ डी बी वित्तपोषण के लिए वर्ष 2018-19 हेतु नीली क्रांति पर केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत शक्य प्रस्तावों के मूल्यांकन हेतु सरकार के प्रधान सचिव, पशु पालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, तमिल नाडु सरकार द्वारा गठित राज्य स्तरीय अनुमोदन एवं निरीक्षण समिति की दिनांक 20 जून 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
- **डॉ.पी.लक्ष्मीलता, डॉ.आर.नारायणकुमार** और **श्री के.मोहम्मद कोया** ने बंगाल उपसागर कार्यक्रम अंतर-सरकारी संगठन द्वारा "दक्षिण भारत में ट्यूना मात्स्यिकी के सह-प्रबंधन में ज्ञान" विषय पर दिनांक 29 जून 2018 को चेन्नई में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- **डॉ.आर.नारायणकुमार,** प्रधान वैज्ञानिक ने कोयम्बतूर में दिनांक 16 अप्रैल, 2018 को आयोजित भा कृ अनु प क्षेत्रीय समिति की मध्य अवधि समीक्षा बैठक में भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ का प्रतिनिधित्व किया।
- **डॉ.ए.के.अब्दुल नाज़र** और **डॉ. आर. जयकुमार** ने समुद्री संवर्धन नीति के ढांचा के प्रारूपण के लिए एन एफ डी बी, हैदराबाद में दिनांक 15 मई, 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
- **डॉ.बी.जोण्सन** ने 'समुद्री शैवालों की टिकाऊ उपयोगिता के लिए प्रभावी रणनीति का रूपायन' पर टी आइ एफ ए सी, डी एस टी द्वारा नई दिल्ली में दिनांक 5 जून 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
- **डॉ.शोभा जो किषकूडन** ने डी ए डी एफ और बी ओ बी पी-आइ जी ओ द्वारा संयुक्त रूप से भारत में अवैध, अनियमित और असूचित (आइ यु यु) मत्स्यन के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार करने हेतु दिनांक 23-24 अप्रैल, 2018 को चेन्नई में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- **श्री मोहम्मद कोया** ने भारत में ट्यूना विपणन पर बी ओ बी पी-आइ जी ओ द्वारा कोच्ची में दिनांक 19 जून, 2018 को आयोजित चर्चाओं में भाग लिया।

  बी ओ बी पी-आइ जी ओ द्वारा चेन्नई में 'ट्यूना मूल्य श्रृंखला का नेटवर्क मानचित्रण' पर दिनांक 28 जून, 2018 को आयोजित परामर्श बैठक में भाग लिया।
- **डॉ.आइ.जगदीश** और **डॉ.एल.रंजित** ने टूटिकोरिन में दिनांक 3 मई 2018 को आयोजित झींगा *पेनिअस सेमीसल्केटस* के एम एस सी प्रमाणीकरण पर आयोजित बैठक में भाग लिया।
- **श्री डी.पुगषेन्दी,** ए सी टी ओ और **श्री एन. रुद्रमूर्ति** ने मात्स्यिकी निदेशक के कार्यालय, चेन्नई में दिनांक 13 अप्रैल 2018 को आयोजित एफ एम एस यु एल-II परियोजना की मध्य अवधि पुनरीक्षण बैठक में भाग लिया।
- **श्री नारायण जी.वैद्या** ने नीली क्रांति पर केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत मात्स्यिकी विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित समेकित मात्स्यिकी विकास और प्रबंधन कार्यक्रम के अंदर समुद्री मात्स्यिकी प्रबंधन पर मछुआरा जानकारी कार्यशाला में व्याख्यान दिया।
- **श्रीमती सलोनी शिवम** और **श्री नारायण जी.वैद्या** ने सिन्डिकेट बैंक, कारवार में दिनांक 13 जून 2018 को आयोजित न रा का स की 47वीं बैठक में भाग लिया।
- **डॉ.पी.पी.सुरेशबाबु** और **श्री अनुराज ए.** ने भा कृ अनु प-कृषि विज्ञान केन्द्र, धारवाड़, उत्तर कन्नड़ की दिनांक 18 जून 2018 को आयोजित वैज्ञानिक परामर्श समिति की 21वीं बैठक में भाग लिया।
- **श्री नवीन कुमार यादव,** सहायक निदेशक (रा भा) और **श्रीमती ई.के.उमा,** ए सी टी ओ (हिन्दी) ने 'भा कृ अनु प में राजभाषा नीति के नए आयाम' विषय पर भा कृ अनु प-सी आर आइ डी ए, हैदराबाद में दिनांक 24 और 25 अप्रैल, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

कार्मिक समाचार

नियुक्तियाँ

नाम	पदनाम	केन्द्र	प्रभावी तारीख
सुश्री रीना वी.जोसफ	तकनीकी सहायक	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	22.06.2018

पदोन्नतियाँ

नाम व पदनाम	पदोन्नत पद	केन्द्र	प्रभावी तारीख
श्री तोमस जोय, सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी	वित्त एवं लेखा अधिकारी	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	23.05.2018 (अपराह्न)
सुश्री एन.के.अनुपमा, कनिष्ठ लेखा अधिकारी, सी आर आइ डी ए, हैदराबाद	सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी (स्थायी आमेलन के आधार पर)	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	21.06.2018
श्री एम. के. अनिल कुमार, स्किल्ड सपोर्ट स्टाफ	तकनीशियन	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	26.06.2018

स्थानांतरण

नाम व पदनाम	से	तक	प्रभावी तारीख
श्री ए. येशुदास, उच्च श्रेणी लिपिक	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	मद्रास अनुसंधान केन्द्र	02.04.2018
श्री एस. महाराजन, निम्न श्रेणी लिपिक	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	मद्रास अनुसंधान केन्द्र	12.04.2018
श्री रोषिन पुष्पन, सहायक	मद्रास अनुसंधान केन्द्र	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	23.04.2018

अंतर-संस्थानीय स्थानांतरण

नाम व पदनाम	से	तक	प्रभावी तारीख
डॉ.अमीर कुमार समल, वैज्ञानिक	मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र	आइ वी आर आइ, इज़तनगर	30.06.2018 (अपराह्न)

कार्यभार ग्रहण

श्री के.मोहम्मद कोया, वैज्ञानिक
प्रभारी वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ कृषि विज्ञान केन्द्र, लक्षद्वीप

पदत्याग

नाम	पदनाम	प्रभावी तारीख	केन्द्र
श्री विष्णु बाबु टी.	स्किल्ड सपोर्ट स्टाफ	07.05.2018 (अपराह्न)	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची

बैठक

मुख्यालय, कोच्ची में दिनांक 16 अप्रैल, 2018 को आइ जे एस सी की बैठक आयोजित की गयी।

अधिवर्षिता की आयु पर सेवानिवृत्तियाँ

श्री के.जोण जेम्स
वरिष्ठ तकनीशियन
30.04.2018
टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र

श्री एच.गणेशा
वित्त एवं लेखा अधिकारी
31.05.2018
भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची

श्री पी.चिदम्बरम
सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (पुस्तकालय) 31.05.2018
मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र

श्री एस.डी.काम्बले
तकनीकी अधिकारी
31.05.2018
मुम्बई अनुसंधान केन्द्र

श्री डी.जी.जादव
तकनीकी अधिकारी
31.05.2018
मुम्बई अनुसंधान केन्द्र

सुश्री एस.शारदा
सहायक
31.05.2018
टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र

श्री पी.दासन
स्किल्ड सपोर्ट स्टाफ
31.05.2018
कालिकट अनुसंधान केन्द्र

श्रीमती एस.लीलावती
निजी सचिव
30.06.2018
मद्रास अनुसंधान केन्द्र

श्रीमती ए.लता
स्किल्ड सपोर्ट स्टाफ
30.06.2018
भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची

निधन

श्री एस.चन्द्रशेखरन
तकनीशियन
03.06.2018
मद्रास अनुसंधान केन्द्र

पिंजरे में सिल्वर पोम्पानो मछली संततियों का संभरण

कृपया पृष्ठ 6 देखें

सी एम एफ आर आइ
CMFRI

कडलमीन

सी एम एफ आर आइ समाचार

कडलमीन, सी एम एफ आर आइ समाचार केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोचीन का तिमाही प्रकाशन है। यह प्रकाशन तिमाही के दौरान संस्थान की प्रमुख कार्यविधियों पर विवरण देने के साथ-साथ अनुसंधान क्षेत्र की नयी गतिविधियों और सफलताओं पर प्रकाश डालता है और प्रौद्योगिकी जानकारियों को मछुआरा समुदाय तक प्रसारित करता है।